लखनऊ

पद्मश्री पुरस्कार से नवाजे जायेंगे प्रो. राजेन्द्र प्रसाद

मुख्यमंत्री ने पद्म पुरस्कार पाने वाली विभूतियों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ (सं)। केजीएमयू के पल्मोनरी मेडिसिन के पूर्व विभागाध्यक्ष और एराज मेडिकल कालेल एडं ऑस्पिटल के एमरिट्स प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भी पद्मश्री सम्मान दिया जा रहा है। भारत में रेस्पिरेटरी मेडिसिन के भीष्म पितामह के नाम से मशहूर, प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद एक राष्ट्रीय स्तर पर जाने-माने चेस्ट फिजिशियन हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कई ग्रामीण गरीब लोगों को अच्छी मेडिकल केयर दी और पब्लिक हेल्थ के सैकड़ों छात्रों और रिसर्चर्स को गाइड किया।

उन्होंने टीबी को खत्म करने के लक्ष्य में योगदान देने के लिए 700 से ज्यादा मेडिकल कॉलेजों को शामिल करने में अहम भूमिका निभाई। उनके अप्रोच ने भारत में टीबी से लड़ने और आम सांस की बीमारियों को मैनेज करने के तरीके में बड़ा बदलाव लाया है। फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के इलाज में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय योजदान की वजह से प्रो. राजेन्द्र प्रसाद के नाम को पद्मश्री सम्मान-2026 के लिए अनुशंसित किया गया है। प्रो. प्रसाद पूर्व में वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली के निदेशक भी रह चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के बस्ती के एक गांव में जन्मे प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने लखनऊ के केजी मेडिकल कॉलेज से चिकित्सा शिक्षा प्राप्त की और वर्ष 1976 से क्षय रोग (टीबी) सहित अन्य फेफड़ों की बीमारियों के प्रति जन-जागरूकता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका चिकित्सा, शिक्षण, शोध और प्रशासनिक अनुभव लगभग पांच दशकों का है। अपने दीर्घ और उत्कृष्ट करियर के दौरान उन्होंने कई प्रतिष्ठित संस्थानों में महत्वपूर्ण दायित्व निभाए और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अनेक सम्मान, पुरस्कार और फैलोशिप प्राप्त की हैं। वे डॉ. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार, उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का विज्ञान गौरव सम्मान तथा देश की कई प्रमुख चिकित्सा संस्थाओं के लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पद्म अवार्ड से सम्मानित होने वाली सभी विभूतियों को बधाई दी है। मुख्य रूप से यूपी से पद्मविभूषण और पद्मश्री सम्मान पाले वाले सभी महानुभावों को बधाई दी है।

कुलपति अब्बास मेहदी ने दी बधाई

लखनऊ (ब्यूरो)। एरा लखनऊ मेडिकल कालेज के प्रोफेसर डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद को देश की प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान मिलने पर एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अब्बास अली मेहदी ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है। अब्बास अली मेहदी ने कहा कि डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद को भारत में रेस्पिरेटरी मेडिसिन के भीष्म पितामह के नाम से भी जाना जाता है, चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी सेवा सराहनीय है। मरीजों के इलाज के अलावा उन्होंने कई सरकारी और गैर सरकारी अभियानों में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया तथा उसे सफल बनाया। शोध कार्य में भी उनकी भूमिका खास रही है। वह लम्बे समय से एरा मेडिकल कालेज से जुड़े है। अब्बास अली मेहदी ने कहा कि डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद पद्मश्री सम्मान प्राप्त होने से प्रदेश के साथ साथ एरा विश्वविद्यालय का नाम भी रौशन हुआ है।

आयुर्वेद को नई पहचान दिलाने वाले डॉ. ठाकराल को पद्मश्री

लखनऊ (सं)। आयुर्वेद चिकित्सा, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में दशकों तक अतुलनीय योगदान देने वाले आयुर्वेदाचार्य डॉ. के.के. ठाकराल को भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान के लिए चयनित किया गया है। यह सम्मान उनके द्वारा आयुर्वेद के शैक्षणिक विकास, चिकित्सकीय सेवा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दिया जा रहा है।

10 अक्टूबर 1938 को जन्मे डॉ. ठाकराल ने वर्ष 1964 में लखनऊ विश्वविद्यालय से बीएएमएमएस की डिग्री प्राप्त की। इसके पश्चात वर्ष 1968 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से डीएवाईएम (शल्य तंत्र) में स्नातकोत्तर शिक्षा पूर्ण की। उन्होंने अपने लंबे अकादमिक जीवन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में व्याख्याता, रीडर, प्रोफेसर और प्राचार्य के रूप में सेवाएं प्रदान कीं। वे कानपुर विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय के डीन भी रह चुके हैं। डॉ. ठाकराल ने प्रदेश सरकार में आयुर्वेदिक सेवाओं के निदेशक पद पर रहते हुए आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नाम कुल 66 शोध पत्र प्रकाशित हैं, जिनमें 12 प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हुए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने आयुर्वेद विषय पर पांच महत्वपूर्ण पुस्तकों का लेखन किया है। वे केंद्रीय आयुर्वेद परिषद, राष्ट्रीय क्षार सूत्र टास्क फोर्स, आयुर्वेद सलाहकार समितियों तथा विभिन्न लोक सेवा आयोगों में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं। सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत उन्होंने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में 71 से अधिक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविरों का आयोजन किया। डॉ. ठाकराल को देश-विदेश में आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए अमेरिका, जापान, फ्रांस और नेपाल की शैक्षणिक यात्राएं करने का अवसर मिला। उनके पद्मश्री सम्मान के लिए चयन से आयुर्वेद जगत, शैक्षणिक संस्थानों व चिकित्सा समुदाय में हर्ष और गर्व का माहौल है।